Society For Rural Improvement

सोसायटी फॉर रूरल इम्प्रुवमेन्ट

Annual Report 2019-20

वार्षिक प्रतिवेदन २०१९-२०

वार्षिक साधारण सभा की बैठक दिनांक 29-11-2020

आज दिनांक 29-11-2020 को प्रात् 11 बजे संस्थान के वर्तमान कार्यालय 112 ए नेमी सागर कोलोनी, वैशाली नगर जयपुर पर संस्था की वार्षिक साधारण सभा की बैठक संस्था के अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। डॉ. राठौड़ ने सभी सदस्यों का स्वागत किया और कोविड महामारी के दौरान सामाजिक दूरी एवं सुरक्षा उपायों के साथ साधारण सभा की बैठक में उपस्थित होने के लिए आभार व्यक्त किया। डॉ राठौड़ ने बताया कि कोविड -19 के कारण साधारण सभा की बैठक 6 माह की देरी से आयोजित की जा रही है। इसके पश्चात कार्यसूचि पर बिंदुवार चर्चा तथा विचार विमर्श कर निम्न प्रस्ताव पारित किये गए:

- **1-गत साधारण सभा की बैठक दिनांक 21-04-2019 के कार्यवाही विवरण की पुष्टि पर विचार**
- **2 - वर्ष 2019-20 की वार्षिक कार्य रिपोर्ट पर बिंदुवार विचार**
- 3-**वित्तीय वर्ष 2019-20 में संस्था के आय-व्यय की पुष्टि पर विचार**

1-गत साधारण सभा की बैठक दिनांक.21-04-2019 के कार्यवाही विवरण की पुष्टि पर विचार

सर्वप्रथम संस्था अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने सभी उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। तत्पश्चात उन्होंने संस्था की साधारण सभा की गत बैठक दिनांक 21-04-2019 की कार्रवाई का विवरण पढ़ कर सुनाया तथा इसकी पुष्टि किए जाने का अनुरोध किया।

अतः बाद विचार विमर्श के सर्वसम्मति से संस्था की साधारण सभा की गत बैठक दिनांक 21-04-2019 के कार्यवाही विवरण की पुष्टि की गई।

2 - वर्ष 2019-20 की वार्षिक कार्य रिपोर्ट पर बिंदुवार विचार :

अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने सभी उपस्थित सदस्यों के समक्ष श्री संस्थान के परिपेक्ष में वित्तीय वर्ष 2019-20 के घटनाक्रम का विस्तृत विवरण पॉवर पॉइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रस्तुत किया और बताया कि संस्था द्वारा गत वित्तीय वर्ष में निम्न गतिविधियां एवं कार्यक्रम, सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं :

गतिविधियां एवं कार्यक्रम

First Quarter

प्रथम तिमाही

मौसम पूर्वानुमान पर प्रचलित कहावतों का वैज्ञानिक सच

दिनांक 02-04-2019 को ऑनलाइन चेनल "ज्ञान दर्पण" पर संस्थान अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़, पुर्व महानिदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग का साक्षात्कार सामयिक विषय "मौसम पूर्वानुमान पर प्रचलित कहावतों का वैज्ञानिक सच" प्रसारित किया गया।

प्रांतीय महाधर्म सम्मेलन : नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण व बेटी बचाओ का दिया संदेश

प्रकृति की रक्षा करना मानव मात्र का धर्म

नागौर. संत शिरोमणि भक्त फूलां बाई की 343वीं पुण्यतिथि पर आयोजित महाधर्म सम्मेलन में उपस्थित श्रद्धालु

मांझवास में संत शिरोमणि भक्त फूलां बाई की 343वीं पुण्यतिथि पर हुआ कार्यक्रम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

नागौर. संत शिरोमणि भक्त फूलां बाई की 343वीं पुण्यतिथि पर रविवार को मांझवास गांव में प्रांतीय महाधर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया. सम्मेलन में नशा, वन्य जीव, पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति एवं बेटी बचाओ का संदेश दिया गया। मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री सुखराम बिश्नोई ने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना मानव मात्र का धर्म है। पर्यावरण रक्षा मानव जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। प्रकृति द्वारा प्रदत्त पेड़-पौधे, जीव जंतु, जानवर व नदी-जंगल मानव जीवन के लिए जरूरी है। मंत्री बिश्नोई ने नशे को मानव जीवन के नाश का कारण बताया। उन्होंने कहा कि नशे से दूर रहकर सुखी जीवन जीया जा सकता है। साथ ही घर-घर में भी पालन करने तथा बेटी बचाने का संदेश दिया। इससे पहले अतिथियों ने संत फूलां बाई मंदिर में हवन के बाद धर्म ध्वजा फहराकर सम्मेलन का शुभारम्भ किया। इस दौरान भक्तों ने 91 फीट ऊंचे शिखर पर पुष्प वर्षा की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत्त डीजीपी के.राम बागड़िया, संत भागीरथराम शास्त्री, संत हरिनारायण शास्त्री, पशुपतिनाथ धूणा के संत रूगनाथ, जम्भेश्वर जीव रक्षा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामरतन बिश्नोई, कामधेनु सेना के अध्यक्ष श्रवण सेन, भूतिराम महाराज धाम के धर्माराम गोदारा आदि ने सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान श्रद्धालुओं को स्वाइन फ्लू से बचाव के लिए आयुर्वेदिक काढ़ा पिलाया गया।

नागौर. भक्त फूलां बाई मंदिर में पूजा करते मंत्री बिश्नोई व अन्य।

भाम्भू के प्रयासों की सराहना

मंत्री बिश्नोई सहित अन्य अतिथियों ने पर्यावरण प्रेमी व फूलां बाई स्मृति संस्थान के अध्यक्ष हिम्मताराम भाम्भू द्वारा पर्यावरण संरक्षण व वन्य जीवों की रक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि भाम्भू ने अपना पूरा जीवन पर्यावरण के लिए समर्पित कर दिया है। ऐसे लोग समाज में बहुत कम मिलते हैं, जो वन्य जीवों की रक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करते हैं। इस अवसर पर भाम्भू ने मंत्री से जिले में वन्य जीवों को बचाने के लिए उड़न दस्ता चौकी स्थापित करने तथा अमृता देवी उद्यान के लिए जमीन आवंटन की मांग की। साथ ही फूलां सागर के संरक्षण के लिए सहायता राशि दिलाने की मांग रखी। इस पर मंत्री ने जल्द ही कार्य करवाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में हनुमान बिश्नोई, हनुमान सेन, संत पांचाराम, संत गंगाराम, संत हरिदास, संत बलवीरदास आदि उपस्थित रहे।

ग्राम मांझावास में प्रांतीय धर्म सम्मेलन का आयोजन

सम्मेलन में पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम जी भांभू ने कहा कि प्रकृति की रक्षा करना मानव मात्र का धर्म है । श्री भांभू ने उपस्थित समुदाय को जीवरक्षा , पर्यावरण संरक्षण , नशामुक्ति एवं बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया।

संयुक्त तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम

ा के लिए पौधरोपण जरूरी

प्रकृति से खिलवाड़ ठीक नहीं : भाम्भू

विश्व पर्यावरण दिवस पर राजस्थान पत्रिका व महावीर इंटरनेशल के संयुक्त तत्वावधान में विचार गोष्ठी आयोजित

नागौर. 'हम विकास की भाग दौड़ में विनाश को नजर अंदाज कर रहे हैं। प्रकृति से खिलवाड़ हो रहा है, जो ठीक नहीं है। जब-जब प्रकृति से छेड़छाड़ हुई है, उसने अपना संतुलन बनाने के लिए कहर बरसाया है, फिर चाहे वह अतिवृष्टि के रूप में हो या भूकम्प, सुनामी, बाढ़ आदि के रूप में। इसके बावजूद मनुष्य चेतने की बजाय अंधा होकर विकास के पथ पर दौड़ते हुए पर्यावरण को दरकिनार कर रहा है।' यह बात पर्यावरण प्रेमी व ग्रीन इंडिया प्रोजेक्ट के संयोजक हिम्मताराम भाम्भू ने बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महावीर इंटरनेशनल एवं राजस्थान पत्रिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विचार गोष्ठी में कही।

महावीर इंटरनेशनल संस्था के भवन रोग निदान केन्द्र में आयोजित संगोष्ठी में पर्यावरण प्रेमी रामरतन बिश्नोई ने पर्यावरण की वर्तमान दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए धरातल पर काम करने की बात कही। उन्होंने गोगेलाव कंजर्वेशन क्षेत्र में स्मृति वन के लिए जमीन आवंटित करवाकर बड़ी संख्या में पौधे लगाने का सुझाव दिया। इस दौरान महावीर इंटरनेशनल के पूर्व जोन अध्यक्ष अनिल बाठिया ने पर्यावरण क्षेत्र में कार्य करने तथा इससे जुड़े रहने की अपील की। मुख्य अतिथि गोपाल चाण्डक सहित संस्था के संरक्षक सरदारमल डागा ने विचार व्यक्त करते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में काम करने की अपील की।

संस्था के अध्यक्ष नरेन्द्र संखलेचा ने पर्यावरण के क्षेत्र में कागजी कार्य नहीं कर जमीनी स्तर पर काम करने की बात कही। उन्होंने 15 पौधे व ट्री गार्ड लगाकर उनकी पूर्ण रूप से सेवा करने का संकल्प लिया। पर्यावरण दिवस के अवसर पर उन्होंने दो पक्षी चुगाघर व दो जल मंदिर की भी शुरूआत की। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने बारिश के सीजन में 51 ट्री गार्ड लगाने की घोषणा की। संगोष्ठी में संस्था के सचिव राजेश रावल, सदस्य हिम्मतसिंह चौहान, सुनील शर्मा, अध्यक्ष रिखबचंद नाहटा, पर्यावरण प्रेमी सुखराम आदि मौजूद रहे।

नागौर. पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते संस्था सदस्य व पदाधिकारी।

विश्व पर्यावरण दिवस पर नागौर में विचार गोष्ठी

दिनांक 05-06-19 को विश्व पर्यावरण दिवस पर नागौर में राजस्थान पत्रिका एवं महावीर इंटरनेशनल के तत्वावधान में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित श्री हिम्मता राम जी भांभू ने संबोधित किया। श्री भांभू ने कहा कि हम विकास की दौड़ में विनाश को नजरअंदाज कर रहे हैं। प्रकृति से खिलवाड़ ठीक नहीं है ।जब-जब प्रकृति से छेड़छाड़ हुई है उसने कहर बरसाया है , कभी अनावृष्टि -अकाल कभी अतिवृष्टि - बाढ़ या भूकंप, सुनामी, महामारी के रूप में।

श्री भांभू ने जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से सावधान रहने एवं पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण की सलाह दी। पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू अब तक पांच लाख से अधिक पेड़ लगा चुके हैं और सभी के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

विश्व पर्यावरण दिवस 2019 पर डॉ राठौड़ का संबोधन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मौसम भवन , गिरनार कोलोनी जयपुर में विचार गोष्ठी आयोजित की गई जिस में अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने संबोधित किया। डॉ राठौड़ ने बताया कि इस वर्ष , **विश्व पर्यावरण दिवस 2019 की थीम "वायु प्रदूषण" है। उन्होने वायु प्रदूषण के कारण एवं दुष्परिणामों के बारे में जानकारी देते हुए इस के निवारण के लिए अधिकाधिक वृक्षारोपण की आवश्यकता जताई** ।और श्री संस्थान की वृक्षारोपण टीम का आह्वान किया कि श्री हिम्मता राम जी भांभू की अगुवाई में आगामी मानसून पीरियड में अधिकाधिक वृक्षारोपण कार्य संपन्न किए जाएं।

"मानसून, अनिश्चितता और तैयारी" पर डॉ राठौड़ का आलेख

राजस्थान के प्रमुख दैनिक राजस्थान पत्रिका में अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़, पूर्व महानिदेशक मौसम विज्ञान विभाग का सामयिक आलेख "मानसून , अनिश्चितता और तैयारी" प्रकाशित किया गया। डॉ राठौड़ ने सलाह दी कि मौसम पूर्वानुमान एवं मौजूदा परिस्थितियों के मध्य नजर अलग-अलग क्षेत्रों में भिन्न भिन्न प्रबंधन की तैयारियां करनी होगी ।किसानों को यह देखना होगा ऐसी **फसल का चयन करें जिसमें कम पानी की आवश्यकता हो । साथ ही साथ फसल की ऐसी प्रजाति का चयन करें जिसकी बुवाई देरी से की जा सके ।**सरकारों के लिए यह चुनौती है उन प्रजातियों के बीज किसानों को समय पर उपलब्ध कराया जाए अन्यथा इस वर्ष कृषि उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

मानसून, अनिश्चितता और तैयारी

गत पांच वर्ष में मानसून

वर्षा की स्थिति

Campaign initiated by Dr Rashmi Rathore

Dr. Rashmi Rathore: Hi there, Planning to upload the following video on behalf of our ngo SRI, this environment day, which talks about our campaign **#helpurselfsaveurself**. Following is the Performa, we are forwarding to people who are contributing towards environment positively, to speak in support of our campaign. If you find it worth supporting, kindly make a selfie video with the details & forward us, we would share it on our page.

Surendra S Lakhawat: Dear all,World Environment Day is scheduled on 5'th of this month. This year's theme for WED is "Air Pollution".Dr Rashmi Rathore on behalf of SRI Sansthan, has initiated a very relevant campaign with an equally good tag line **#helpurselfsaveurself**!!! Indeed it is the need of our time to take action to "help ourselves and save our selves " from the disaster of Environmental Pollution and Climate change. I request all of our members to go through the spirit , need and vision of the campaign and share their views through a selfie video.

ऑनलाइन कैंपेन #helpurselfsaveurself

सह - सचिव डॉ रश्मि राठौड़ की अगुवाई में पर्यावरण संरक्षण , प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन से सम्बद्ध ऑनलाइन कैंपेन # helpyourself saveyourself प्रारंभ किया गया।

फादर्स-डे पर जेएलएन अस्पताल परिसर में पिता के नाम पर लगाए पीपल के पौधे

भास्कर संवाददाता | नागौर

फादर्स-डे पर शहर के जेएलएन अस्पताल में रविवार को महावीर इंटरनेशनल संस्था के संयुक्त तत्वावधान में 11 पीपल के पौधे लगाए गए। यह सभी पिता के नाम पर यादगार शुरूआत की गई। इस मौके पर पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू ने पिता स्व. चुतरा राम, अनिल बाठिया द्वारा पिता स्व. हीराचंद बाठिया, नरेंद्र संखलेचा ने पिता स्व. भीकमचंद, राजकुमार मंच्छी ने पिता स्व. पन्नालाल, राजेश रावल ने पिता डॉ. बीआर रावल, सुखाराम ने पिता स्व. शिवलाल गोलिया व डॉ. आरके सुथार व डॉ. अलकेंद्र ने अपने पिता के नाम पर एक-एक पीपल का पौधा लगाया। इस दौरान नगाराम व चुनाराम भादू, योगेश टाक ने श्रमदान किया। इस दौरान पर्यावरण प्रेमी भांभू ने हर व्यक्ति को अपने, पिता, माता, दादा-दादी, बेटा-बेटी के नाम पर पौधे लगाने का संकल्प दिलाया। भांभू ने इस वर्ष जिले में 500 पीपल के पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है।

नागौर. जेएलएन अस्पताल में पिता के नाम पर पौधे लगाते हुए।

पीपल का पौधा रौप कर मनाया फादर्स डे

पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम जी भांभू की प्रेरणा एवं अगुवाई में दिनांक 22-06-2019 को "फादर्स डे "एक यूनिक तरीके से मनाया गया। फादर्स-डे पर महावीर इंटरनेशनल के तत्वावधान में नागौर स्थित जे एल एन होस्पिटल परिसर में 11 व्यक्तियों द्वारा पीपल के पौधों का रोपण कर अपने पिता को समर्पित किया गया। श्री भांभू की प्रेरणा से सभी ने यह संकल्प लिया कि वह अपने अपने पौधों की स्वयं देख भाल भी करेंगे।

गतिविधियां एवं कार्यक्रम

Second Quarter

द्वितीय तिमाही

विवेकानन्द मॉडल स्कूल मूण्डवा में मनाया वन महोत्सव

दिनांक 05-07-2019 को स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल मूण्डवा की रूपम वाटिका में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के बच्चों ने वृक्षारोपण कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया एवं पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु साक्षरता विषय पर पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम जी भांभू का उद्‌बोधन अंगीकार किया।

पर्यावरण प्रशिक्षण केन्द्र हरिमा में वन महोत्सव एवं संगौष्टी

दिनांक 07-07-2019 को पर्यावरण प्रशिक्षण केन्द्र हरिमा में पर्यावरण संगौष्टी का आयोजन किया गया । पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू ने अपने संबोधन में कहा कि पौधों को लगाना आसान है लेकिन उनकी बच्चों की तरह परवरिश एक कठीन परिश्रम का काम है। इस कारण से भारत में वन क्षेत्र संकुचित हो कर मात्र 8% रह गया है। जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी दुष्प्रभाव से बचने के लिए सभी को अधिकाधिक वृक्षारोपण करने एवं रोपित पौधों का रख-रखाव करने का संदेश दिया।

8/7/2019

हरिमा में पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन

नागौर। पर्यावरण केंद्र हरिमा में एक पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशभर में 45 लाख पौधे लगाने को तैयार है। हर गांव में 100 पौधे लगाने के लिए सरकार ने हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में कहा है। भांभू ने कहा कि पौधे लगाना तो आसान है मगर उनको बच्चें की तरह पालना कठिन है। राजनेता और उच्च अधिकारी पौधे लगाते हुए का फोटो खिंचवा लेते है। मगर उनका ख्याल कोई नहीं रखता है। जिस कारण से 1972 से आज तक 33 प्रतिशत धरती पर वन नहीं हो सके। अगर वन विभाग और राजनेता ध्यान देते तो आज पेड़ ही पेड़ होते। मगर नजरअंदाज किए जाने के कारण केवल 8% धरातल पर ही वन बचे हैं।

ग्राम पंचायत बड़ी खाटू में भव्य वन महोत्सव

दिनांक 11-07-2019 को ग्राम पंचायत बड़ी खाटू में भव्य वन महोत्सव का आयोजन किया गया । पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू की अगुवाई में आयोजित कार्यक्रम में नागौर जिला कलेक्टर श्री दिनेश कुमार यादव सहित कई प्रशासनिक अधिकारियों एवं ग्रामीण युवाओं ने भागीदारी की । इस अवसर पर 200 पौधों का रोपण किया गया।

बड़ीखाटू में 200 पौधे लगाऐ

ग्राम पंचायत बड़ी खाटू कि नोडिया नाडी वह धीजपुरा में वन महोत्सव के तहत 200 पेड़ लगाए गए। कार्यक्रम में महंत नानक दास जी महाराज नागौर जिला कलेक्टर दिनेश कुमार यादव जी भारत सरकार के उप शासन सचिव गोपीलाल रेगर जी जायल उपखंड अधिकारी सुरेश कुमार मेघवाल, पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू, श्री दिपेशवर गौशाला के उपाध्यक्ष भोलाराम भाटी , सचिव रामकरण जांगिड़ ,युवा विकास मंच के उपाध्यक्ष दिनेश भाटी , तुलसीराम गुर्जर ,कमल जागीङ ओर आस पास...

वन महोत्सव पर लगाए पौधे

सैयद तोकिर अली
वॉइस ऑफ हक़

बड़ी खाटू। गुरुवार को ग्राम पंचायत बड़ी खाटू कि नोडिया नाडी वह धीजपुरा में वन महोत्सव के तहत 200 पेड़ लगाए गए कार्यक्रम में महंत नानक दास जी महाराज नागौर जिला कलेक्टर श्रीमान दिनेश कुमार यादव जी भारत सरकार के उप शासन सचिव गोपीलाल रेगर जी जायल उपखंड अधिकारी सुरेश कुमार मेघवाल जी पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम जी भांभू और आसपास के ग्रामीण मौजूद थे दीपेशवरगौशाला के उपाध्यक्ष भोलाराम जी भाटी , सचिव रामकरण जी जांगिड़ ,युवा विकास मंच के उपाध्यक्ष दिनेश भाटी , तुलसीराम गुर्जर , भाजपा युवा कार्यकर्ता कमल जागीङ ओर आस पास के काफी संख्या मे ग्रामीण मोजूद थे।

मंजिलें और भी हैं

>> हिम्मताराम भांबू

पेड़-पौधे लगाकर मरुभूमि का शृंगार कर रहा हूं

मैं राजस्थान के नागौर जिले का रहने वाला हूं। मेरा जिला पानी की उपलब्धता के हिसाब से डार्क जोन माना जाता है। बचपन में खेती-किसानी की तमाम कठिनाइयों से निबटने के स्थानीय उपायों को देखते हुए मैंने गांव के ही स्कूल में छठी कक्षा तक पढ़ाई की। उसके बाद खेती-किसानी के चलते स्कूल छोड़ना पड़ा। इस दौरान स्थानीय ट्रैक्टर मालिकों को समय-समय पर जरूरत अनुसार पुर्जे खोलने एवं मरम्मत में सहायता देने लगा। इससे मुझे आस-पास के इलाके में कुशल मिस्त्री के रूप में पहचान मिली। खेती और पर्यावरण संरक्षण की प्राथमिक शिक्षा मुझे अपनी दादी से मिली। दादी ने गांव में मुझसे पीपल का एक पौधा लगवाया। 15 वर्ष बाद जब उस पौधे को मैंने विशाल पेड़ के रूप में देखा, तो बहुत खुशी मिली। उन्हीं की प्रेरणा से मैंने नागौर, बाड़मेर, जैसलमेर व बीकानेर समेत कई जगहों पर लगभग तीन लाख पौधे लगाए, जिसमें वन विभाग व सरकार के आकलन के मुताबिक सवा दो लाख पौधे अब पेड़ बन चुके हैं। साथ ही एक सूखाग्रस्त गांव हरिमा में कर्ज लेकर चौंतीस बीघा जमीन खरीदी और उसमें खेती करने के साथ-साथ सोलह हजार से भी ज्यादा पौधे लगाए। मैंने छह बीघा के एक दूसरे खेत में खेजड़ी और देशी बबूल के करीब चार सौ पौधे, जो अब पेड़ बन चुके हैं, बिना किसी अतिरिक्त खर्चे के बरसाती पानी से उगाए हैं।

पेड़-पौधे ही मेरे जीवन का आधार हैं। मेरे रग-रग में वन्यजीव व पर्यावरण संरक्षण का जज्बा भरा है।

खेजड़ी थार के मरुस्थल एवं अन्य स्थानों पर पाया जाता है। यह मरूधरा की जीवन रेखा है। अंग्रेजी में इसे प्रोसोपिस सिनेरेरिया नाम से जाना जाता है। यह जेष्ठ के महीने में भी हरा रहता है। ऐसी गर्मी में जब रेगिस्तान में जानवरों के लिए धूप से बचने का कोई सहारा नहीं होता, तब यह पेड़ छाया देता है। मैंने जब खेत खरीदा, तब खेजड़ी के मात्र चौदह पेड़ थे। आज दो हजार से भी ज्यादा पेड़ हैं, क्योंकि खेजड़ी पर जलवायु-परिवर्तन का दुष्प्रभाव कम होता है। पश्चिमी सभ्यता की अंधी दौड़ में हमारे किसान भी पिस रहे हैं। धरती की कोख से पानी खींचने की मशीनें तो खूब हैं, लेकिन ऊपर आसमान से पानी बरसाने वाली मशीनें नहीं हैं। इस काम को तो पेड़ ही बखूबी अंजाम देते हैं। पानी की कमी के चलते अक्सर सैकड़ों पक्षी खेतों के आस-पास मंडराते रहते हैं, ताकि फसलों को दिए जा रहे पानी से वह अपनी प्यास बुझा सकें। इसके लिए मैंने अपने खेत में पेड़ों पर जगह-जगह मिट्टी के परिंडे (चौड़े बर्तन) लटकाकर रखे हैं। यहां आकर पक्षी अपनी प्यास बुझाते हैं, साथ ही फसलों के लिए हानिकारक कीड़ों-मकोड़ों को भी खा जाते हैं। खेतों में पेड़-पौधे होने की वजह से लगभग तीन सौ से ज्यादा मोरों ने यहां अपना बसेरा बनाया है। वर्ष 1986 में मैं जापान सरकार की सहायता से संचालित परियोजना के अंतर्गत वन विभाग से जुड़ा, इसके बाद से वन और पर्यावरण संरक्षण के लिए पूरी तरह काम करना शुरू कर दिया। साथ ही सामाजिक बुराइयों को दूर करने की दिशा में काम करते हुए मैंने नशे के विरुद्ध अभियान चलाया, जिससे प्रेरित होकर सैकड़ों लोगों ने नशा छोड़ा। वन्य जीव संरक्षण के लिए शिकारियों से कानूनी लड़ाई लड़ते हुए मैंने अपने खर्चे पर 28 मुकदमें दायर किए, जिनमें 16 शिकारियों को जेल हो चुकी है। इन कामों के लिए मैंने कभी कोई अनुदान नहीं लिया। पेड़-पौधे ही मेरे जीवन का आधार हैं। मेरे रग-रग में वन, वन्यजीव व पर्यावरण को संरक्षित करने का जज्बा भरा है।

-विभिन्न साक्षात्कारों पर आधारित।

अमर उजाला में श्री भांभू पर आलेख

पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू को मिला जनमानस, प्रिंट मीडिया एवं प्रशासन का पूर्ण सहयोग। अमर उजाला में श्री भांभू के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आलेख प्रकाशित किया। श्री भांभू ने अपने संदेश में कहा कि मैं पेड़- पौधे लगा कर मरुभूमि का श्रृंगार कर रहा हूं ।

ग्राम थलाजू में भव्य वन महोत्सव

दिनांक 21-07-2019 को ग्राम थलाजू में भव्य ग्राम वन महोत्सव 2019 के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय निवासियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आदर्श विद्यालय गच्छीपुरा में वन महोत्सव

दिनांक 26-07-2019 को ग्राम गच्छीपुरा में स्थित आदर्श राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भव्य वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया ।पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू ने छात्र - छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु विषय पर संबौद्धित किया।

पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू ने लिया सहस्रवन पंचवटी का जिम्मा

स्वास्थ्य भवन नागौर के पास स्थित सहस्रवन पंचवटी में 11 बीघा भूमि पर वृक्षारोपण कर वर्ष 2012-13 में 1100 पेड़ लगाए गए थे लेकिन राजकीय उदासीनता एवं रखरखाव के अभाव में अधिकतर पौधे सूख गए हैं। पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू ने इस वाटिका के पुनर्विकास का जिम्मा ले कर वृक्षारोपण का कार्य प्रारंभ किया गया।

सहस्त्र वन पंचवटी की सुधरेगी दशा

पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू ने उठाया बीड़ा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

rajasthanpatrika.com

नागौर. स्वास्थ्य भवन के पास स्थित सहस्त्र वन पंचवटी की दशा जल्द ही सुधरेगी। पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू ने इसका बीड़ा उठाया है। इसके तहत पेड़ों को पानी पिलाने, फैंसिंग, सफाई सहित कई कार्य किए जाएंगे।

पंचवटी अरसे से दुर्दशा का शिकार हो रही थी। वर्तमान में 1100 पेड़ों में से 300 पेड़ नष्ट हो गए है। गत दिनों भांभू ने पेड़ों

नागौर. हवाईपटटी के पास सहस्त्र वन में नष्ट होते नीम के पेड़ों को पानी पिलाते पर्यावरण प्रेमी भांभू।

की सारसंभाल की जिम्मेदारी उन्हें देने का आग्रह किया था, जिस पर जिला कलक्टर राजन विशाल ने नगर परिषद से हाल ही में पंचवटी की सारसंभाल की जिम्मेदारी तीन वर्ष के लिए भांभू को सौंपी है। उल्लेखनीय है पंचवटी को वर्ष 2012-13 तत्कालीन जिला कलक्टर एस.एस. बिस्सा की अगुवाई हवाई पट्टी के पास 12 बीघा पर एक हजार पौधे नीम के सौ पौधे विभिन्न किस्मों लगाकर तैयार की गई शुरुआत में पौधों की सार-सं में वन विभाग ने सहयोग कि लेकिन बाद में सहयोग करना कर दिया। इस बारे में वन वि व जिला प्रशासन को भी अ करवाया गया, पर ध्यान दिया। वर्ष 2014-15 में भ ने अपने स्तर पौधों को 32 पानी पिलाया।

प्रकाशित भास्कर 20/8/2019

स्वतंत्रता सेनानियों की याद में स्कूल परिसर में लगाए 73 पौधे, ग्रामीणों ने दिया 22 हजार 400 रु. का सहयोग

सुखवासी की खिलेरी व भांभुओं की ढाणी में पौधरोपण कर सुरक्षा का लिया संकल्प

भास्कर संवाददाता | नागौर

भास्कर के एक पेड़, एक जिंदगी अभियान के तहत सोमवार को सुखवासी के राजकीय शिक्षाकर्मी प्राथमिक विद्यालय खिलेरी व भांभुओं की ढाणी में स्वतंत्रता सेनानियों की याद में 73 पौधे लगाए गए। प्रधानाध्यापक बहादुर खिलेरी ने बताया कि पौधरोपण पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू के नेतृत्व में किया गया।

इस दौरान विभिन्न किस्म के 73 पौधे लगाए गए। इस मौके पर भांभू ने कहा- कि भारतीय संस्कृति को निरंतर बचाए रखने के लिए पेड़ लगाना जरूरी है। बोले- पूर्वज देव वन देवताओं के नाम पर ओरण आरक्षित रखते थे। उसमें पशु-पक्षियों सहित वन्य जीवों के लिए चुग्गा पानी की व्यवस्था भी करते थे। वहीं ग्रामदानी अध्यक्ष शैतान राम खिलेरी ने कहा कि पेड़ धरती का श्रृंगार है। पूर्व सरपंच कुम्भाराम खिलेरी ने पेड़ को मानव जीवन का आधार बताया। इस दौरान शिक्षक सोनाराम, ओमप्रकाश खिलेरी, अर्जुनराम खिलेरी, हरिराम खिलेरी, वीरेंद्र, शिक्षिका मौजूद थे।

नागौर. सुखवासी के राशिप्रावि में पौधरोपण करते ग्रामीण व स्कूल स्टाफ।

इन्होंने दी सहयोग राशि : पौधों की सुरक्षा व देखभाल के लिए पर्यावरण प्रेमी भांभू, संस्थाप्रधान, प्रभुराम, पूर्वा राम, जयराम, पवन जोशी, आशाराम खिलेरी, अर्जुनराम, तिलोकराम, शैतान राम खिलेरी, हरिराम, ओमप्रकाश, चेना राम खिलेरी, बबलू कंपाउंडर व सोना राम सेन सहित सभी ने 22 हजार 400 रुपए का सहयोग राशि दी। इसी तरह अन्य लोगों ने भी सहयोग किया।

श्री

राजकीय विद्यालय सुखवासी में स्वतत्रंता सेनानियों की याद में वृक्षारोपण

दिनांक 20-08-2019 को ग्राम सुखवासी में खिलेरी एवं भांभुओं की ढाणी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री भांभू की प्रेरणा से राजकीय विद्यालय सुखवासी में स्वतन्त्रता सेनानीयों की याद में 73 वृक्षों का रोपण किया गया।

सुखवासी में पीपल जन्मोत्सव एवं पर्यावरण चेतना एवं नशामुक्ति सम्मेलन

दिनांक 02-09-2019 को ग्रामदानी गांव सुखवासी में विशाल "पर्यावरण चेतना एवं नशामुक्ति सम्मेलन" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक पीपल वृक्ष का 44 वां जन्मोत्सव भी मनाया गया गया। पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू ने अपनी दादी मां की प्रेरणा से वर्ष 1975 में अपने घर के बाहर यह पीपल का पौधा लगाया था। दादी मां की प्रेरणा से वृक्षारोपण कार्य से जुड़े पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू अब तक साढ़े पांच लाख से अधिक वृक्ष लगा चुके हैं। श्री भांभू अब तक अपने प्रयास एवं समझाइश से 1672 लोगों को नशा छुड़वा चुके हैं।

पर्यावरण बचाने में प्रत्येक व्यक्ति का हो योगदान

सुखवासी में पर्यावरण चेतना एवं नशा मुक्ति सम्मेलन के माध्यम से मनाया पीपल जन्मोत्सव

नागौर, सुखवासी में पर्यावरण चेतना एवं नशामुक्ति सम्मेलन में मंचासीन अतिथि व उपस्थित ग्रामीण।

नागौर. पर्यावरण को लेकर पूरी दुनिया चिंतित है। पर्यावरण संरक्षण में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान होना चाहिए, तभी पर्यावरण की रक्षा होगी। पूर्व समय में ग्रामीण गांव के पास देव वन रखते थे। वहां वन्य जीव विचरण करते थे। पेड़ को वेदों में भगवान का रूप माना गया है। यह विचार मंगलवार को पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीआर चौधरी ने ग्राम सुखवासी में पर्यावरण चेतना एवं नशा मुक्ति सम्मेलन में 44 वर्ष पूर्व लगाए गए पीपल के जन्मोत्सव पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। चौधरी ने कहा कि नशा नाश का द्वार है। युवा पीढ़ी के लिए

आचार्य स्वामी रामानंद महाराज ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बिगड़ रहा है। पर्यावरण को बचाना मानव जीवन के लिए आवश्यक हो गया है।

उन्होंने कहा कि नशे की लत युवाओं को बर्बाद कर देगी। इससे मानव जीवन को खतरा है। इस दौरान बड़ीखाटू कबीर आश्रम के महंत नानकदास महाराज ने पर्यावरण बचाने की अपील करते

करना मुश्किल है। लोग बच्चों का जन्मदिन मनाते है, लेकिन पौधों को भूल जाते है। इसे ध्यान में रखते हुए पीपल का जन्मदिन मनाया गया है।

अखिल राजस्थान राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के प्रांतीय महासचिव तेजसिंह राठौड़ ने कहा कि पर्यावरण चेतना व नशा मुक्ति सम्मेलन एक अनूठी पहल है। जिससे लोगों में जागरुकता आएगी। विशिष्ट अतिथि प्रधान ओमप्रकाश

महंत जानकीदास महाराज ने कहा कि भगवान की बनाई गई धरती पर पेड़-पौधे, जीव जानवर सभी एक कड़ी के रूप में काम कर रहे हैं। इस दौरान सदर थानाधिकारी सुगनसिंह, एएसआई रामेश्वरलाल सारस्वत, अखिल राजस्थान राज्य पर्यटन महासंघ के अध्यक्ष भंवरसिंह मेड़तिया, पूर्व डीजीपी केराम बागड़िया आदि ने पर्यावरण संरक्षण तथा नशा मुक्ति पर विचार व्यक्त

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में नोखा सरपंच संघ के अध्यक्ष दीपाराम लोयल, भारत विकास परिषद के हरिराम धारणिया, महावीर गौशाला के रामदीन बिश्नोई, पूर्व प्रधान अर्जुनराम मेड़रिया, पूर्व प्रधान सुखराम फिड़ोदा, सहायक वन संरक्षक सुनील गौड़, पूर्व पंचायत समिति सदस्य पुष्पा बागड़िया, अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के हनुमानराम दिलोया,

दैनिक भास्कर

नागौर

प्रेरणा • सुखवासी निवासी पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू का दावा साढ़े 3 लाख पौधे बन गए पेड़, आज उसी पीपल के पेड़ का मनाएंगे जन्मोत्सव, होगी पूजा-अर्चना

दादी ने 44 साल पहले लगवाया एक पौधा, पौते ने महत्व समझ अब तक लगा दिए 5 लाख पौधे

सामाजिक सरोकार ऐसा कि अब तक 1672 लोगों को छुड़वा चुके हैं नशा, जीव रक्षा के लिए हर समय रहते हैं तत्पर

सुखवासी में नशा मुक्ति सम्मेलन आज

नागौर. गांव में जिस पेड़ की छांव में यह विद्यार्थी बैठे है उसका आज जन्मदिन मनाएंगे।

महिला जागृति सम्मेलन सुखवासी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ

दिनांक 03-09-2019 को ग्राम सुखवासी में विशाल "बेटी बचाओ - बेटी पढ़ाओ" एवं महिला जागृति सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 20 गांवों की लगभग 4000 महिलाओं ने भाग लिया और अपने परिवार तथा परिवेश की बेटीयों को पढ़ने - पढ़ाने का संकल्प लिया।

शारदा बाल निकेतन में वन महोत्सव एवं वृक्षारोपण

दिनांक 04-09-2019 को अमृता देवी पर्यावरण नागरिक संस्थान के तत्वावधान में शारदा बाल निकेतन नागौर में वन महोत्सव एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सुखवासी में भरा हरिराम बाबा का मेला, आसपास गांवों के पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने धोक लगा की समृद्धि की कामना

महिला जागृति सम्मेलनः वक्ता बोले- बेटियों को बोझ नहीं, वरदान

मामू ने मनाया पीपल के पेड़ का 44वां जन्मोत्सव : पूर्व मंत्री चौधरी बोले-पर्यावरण बचाना हर व्यक्ति की जिम्मेदारी

कृषि क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट पर मंथन

नेशनल स्किल युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ ललित के पंवार के आमंत्रण पर डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ अध्यक्ष, श्री - संस्थान एवं पूर्व महानिदेशक ,भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिनांक 25-07-2019 को विश्व विद्यालय परिसर में आयोजित "कृषि क्षेत्र में स्किल डेवलपमेंट"विचार गोष्ठी में शिरकत की।

युवा उद्यमियों के लिए कृषि में असीम संभावनाएं : डॉ. राठौर

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ राठौड़ का अभिभाषण

दिनांक 04-09-2019 को आचार्य नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय फैजाबाद का दीक्षांत समारोह उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनन्द बेन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया । दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़, पूर्व महानिदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग ने विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ राठौड़ ने बताया कि युवा उद्यमियों के लिए कृषि क्षेत्र में असीम संभावनाएं हैं । राष्ट्र के विकास एवं गरीबी उन्मूलन में कृषि क्षेत्र की अहम भूमिका है।पिछले तीन दशकों में भारत में कृषि व्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही है।जलवायु परिवर्तन, कृषि क्षेत्रों में घटता निवेश, प्राकृतिक संसाधनों का दुरुपयोग ,कीमतों में अत्यधिक हस्तक्षेप ,सिंचाई सुविधाओं का अभाव आदि कारणों से कृषि क्षेत्र को काफी नुकसान हुआ है। आने वाले समय में पानी का संकट और बढ़ेगा इस संकट के जिम्मेदार भी हम हैं। जल स्त्रोतों का अंधाधुंध इस्तेमाल वर्षा, जल संचयन के प्रति जागरूकता की कमी ,वृक्षों की कटाई आदि कारणों से जल संकट बढ़ा है । इन समस्याओं से कृषि क्षेत्र को उबारने में विद्यार्थियों को अपना योगदान देना चाहिए।

गतिविधियां एवं कार्यक्रम

Third Quarter

तृतीय तिमाही

हरिमा में पर्यावरण एवं वन्य जीव संरक्षण सम्मेलन

दिनांक 06-10-2019 को पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम जी भांभू की अगुवाई में तथा राजस्थान पत्रिका के "हरयालो राजस्थान" अभियान के अंतर्गत पर्यावरण प्रशिक्षण केन्द्र हरिमा में "पर्यावरण एवं वन्य जीव" विषय पर विशाल सम्मेलन, प्रदर्शनी एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर श्री दिनेश कुमार यादव ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया । इसके पश्चात संगोष्ठी को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू द्वारा हरिमा में अपनी खुद की जमीन पर सघन वन लगाना अपने आप में पर्यावरण संरक्षण का सशक्त उदाहरण है । समाज में ऐसा बहुत कम लोग कर पाते हैं । इसके लिए कलेक्टर ने श्री भांभू को पूरे नागौर जिला वासियों की ओर से बधाई दी ।उन्होंने कहा कि पूरे नागौर जिले में ऐसा वन नहीं है चाहे वन विभाग ही क्यों ना हो हम सब मिलकर निरंतर यह प्रयास करें कि कहीं ना कहीं पेड़ लगाए जाएं और पर्यावरण को संरक्षित रखने का प्रयास किया जाए और इसके लिए पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू सभी के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

डॉ राठौड़ का बांग्लादेश एवं थाईलैंड के मौसम वैज्ञानिकों से विचार विमर्श

डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ ,अध्यक्ष श्री संस्थान , अपनी एडवाइजर विश्व बैंक की भूमिका में अक्टूबर 2019 में दक्षिण -पूर्व एशियाई देशों की अधिकारिक यात्रा पर गए। इस दौरान थाईलैण्ड में एशियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी बैंकाक तथा बंग्लादेश में एग्रिकल्चर युनिवर्सिटी मैमनसिंह के वैज्ञानिकों के साथ मौसम पूर्वानुमान एवं आपदा प्रबंधन पर विचार साझा किए गए।

गोगेलाव कंजर्वेशन रिजर्व के बीच 1029 बीघा भूमि सरकार के अधीन, अब कॉलोनी बसाने की तैयारी

वन्य जीवों के विचरण पर संकट तय, वर्ष 2012 में 2236.6 बीघा में कंजर्वेशन क्षेत्र हुआ था घोषित

नागौर. गोगेलाव कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट नक्शा।

एनएच-89 के दोनों तरफ स्थित गोगेलाव कंजर्वेशन रिजर्व क्षेत्र के बीच 1029 बीघा जमीन सरकार के अधीन होने से यहां वर्तमान में आवासीय कॉलोनी बसाने सहित अन्य कार्य करवाने की तैयारी चल रही है। ऐसे में यहां कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र का स्वरूप बिगड़ने सहित यहां बड़ी संख्या में विचरण करने वाले वन्य जीवों के लिए बड़ा खतरा पैदा हो गया है। वांछित क्षेत्र गोगेलाव कंजर्वेशन रिजर्व इको सेंसेटिव जोन की श्रेणी में आता है। दरअसल, वर्ष-2012 में गोगेलाव स्थित करीब 2237 बीघा भूमि को कंजर्वेशन रिजर्व के लिए आरक्षित किया गया था। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा-36 के तहत संरक्षित क्षेत्र है। तब से इस भूमि पर वन्य जीव संरक्षण के लिए सरकार ने इस क्षेत्र को कंजर्वेशन रिजर्व घोषित कराते हुए कई बार बजट भी जारी किया है। लेकिन यहां करीब 1029 बीघा जमीन सरकार के अधीन माने जाने से कॉलोनी काट आबादी बसाने की तैयारी चल रही है। इसी जमीन पर मेडिकल कॉलेज सहित अन्य निर्माण कार्य भी होने है। ऐसे में कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र में चिंकारा, हिरण, नीलगाय, मोर, लोमड़ी, जंगली जैसे वन्य जीव बड़ी संख्या में विचरण करने पर संकट पैदा हो सकता है।

वन्यजीवों के लिए खतरा

गोगेलाव कंजर्वेशन फॉरेस्ट क्षेत्र के लगभग बीच के भाग में आने वाली जमीन पर सरकारी निर्माण कार्य व कॉलोनी काटने की तैयारी की जा रही है। क्षेत्र पर आबादी बसने सहित अन्य निर्माणकार्य होने तो वन्य जीवों के विचरण के लिए जमीन का भाग बेहद ही कम हो जाएगा।

सीएम को लिखा पत्र : वन्य क्षेत्र के बीच आबादी बसाना गलत,

पीपूल फॉर एनीमल्स के जिलाध्यक्ष व पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू ने मुख्यमंत्री के नाम पत्र लिखकर गोगेलाव कंजर्वेशन रिजर्व का खसरा नंबर 113/844 का कुल 2236 बीघा 6 बिस्वा जमीन है। उन्होंने बताया कि कंजर्वेशन रिजर्व के बीच तीनों तरफ लगते हुए बीकानेर रोड की तरफ 5 खसरे हैं। जिसकी 1029 बीघा जमीन कंजर्वेशन रिजर्व फॉरेस्ट क्षेत्र में जो शामिल नहीं उन्हें किया जाए।। यहां आबादी क्षेत्र बसाना पर्यावरण के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने खसरा नंबर 108, 110, 111, 112 व 113 को रिजर्व के लिए आवंटित करने की मांग रखी है।

33% भू-भाग वन क्षेत्र जरूरी, नागौर में 1.3 फीसदी क्षेत्र ही है

राज्य वन नीति के अनुरूप किसी भी राज्य के कुल क्षेत्रफल का 33 प्रतिशत भू-भाग वन क्षेत्र होना चाहिए। जबकि राजस्थान में 4.84 फीसदी भू-भाग ही वन क्षेत्र है। वहीं नागौर जिले में मात्र 1.3 प्रतिशत क्षेत्र में ही वन है, यह भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

50 बीघा जमीन पर ही बनना है प्रस्तावित है मेडिकल कॉलेज

राजकीय स्वीकृति के अनुसार नागौर में खसरा नंबर 113 की किस्म पर मेडिकल कॉलेज नागौर के विद्यालय भवन व खेल मैदान के लिए राजस्थान भू राजस्व, स्कूलों, कॉलेजों, चिकित्सालयों, धर्मशालाओं व सार्वजनिक उपयोग के भवन निर्माण के लिए बने नियम में चिकित्सा शिक्षा विभाग को कुछ शर्तों पर निशुल्क आवंटित की गई थी।

गोगौलाव कंजरवेशन फोरेस्ट की जमीन लौटाने हेतु ज्ञापन

नागौर में गोगौलाव कंजरवेशन फोरेस्ट से जुड़ी 1029 बीघा गौचर भूमि का अधिग्रहण निरस्त करने तथा यह भूमि पुनः कंजरवेशन फोरेस्ट को दिए जाने के लिए पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू की अगुवाई में विरोध प्रदर्शन किया गया। उक्त भूमि पुनः कंजरवेशन फोरेस्ट को लौटाने के लिए राज्य सरकार को पत्र एवं ज्ञापन सौंपा गया । ओरण एवं गौचर की भूमि का अन्य प्रयोजन हेतु उपयोग करने के विरुद्ध श्री संस्थान द्वारा विरोध जारी रखा जाएगा।

विश्व दया दिवस पर "जीवदया संगौष्टी" का आयोजन

दिनांक 13-11-2019 को विश्व दया दिवस के अवसर पर ,पर्यावरण प्रशिक्षण केन्द्र हरिमा में "जीवदया संगौष्टी" का आयोजन किया गया।

जिला नागौर के गांव हरिमा में पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू ने अपनी 25 बीघा भूमि पर सघन वन विकसित किया है। इस वन में 300 से अधिक मोरों एवं अनेकानेक जीव जंतुओं का आवास है। जिन्हें श्री भांभू दाना - पानी उपलब्ध करवाते हैं ।

जहां कहीं किसी घायल पक्षी या वन्य प्राणी का समाचार मिलता है , श्री भांभू उसके बचाव, चिकित्सा एवं पुनर्वास का प्रबंध करते हैं। नागौर जिले में वन्य जीवों के अवेध शिकार को रोकने और शिकारियों को पकड़ने , सजा दिलाने में भी श्री भांभू की अहम भूमिका रही है।

विश्व दया दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में श्री भांभू ने सभी उपस्थित जन समुदाय से जीवरक्षा का संकल्प लेने का आह्वान किया।

इस अवसर पर द बेटर इंडिया द्वारा जारी किए गए पोस्टर का विमोचन किया गया।

राजस्थान: इस किसान के खेत में है 300+ मोरों का बसेरा; हज़ारों घायल पशु-पक्षियों की कर चुके हैं मदद!

हिम्मताराम का जज्बा देखने लायक है। पूरा परिवार भले ही शहर में रहता हो, वे दिनभर की यात्रा कर रात को खेत में आकर सोते हैं।

by **मोईनुद्दीन चिश्ती**
about a year ago

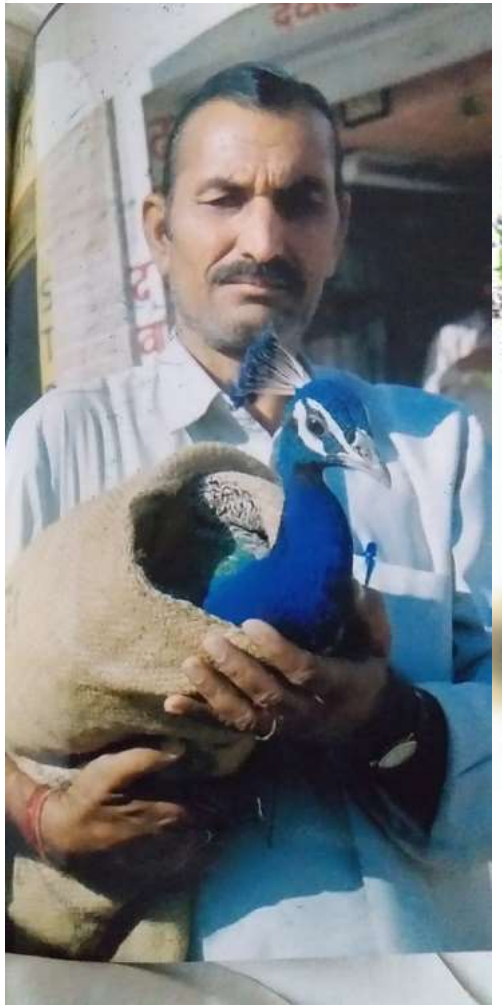

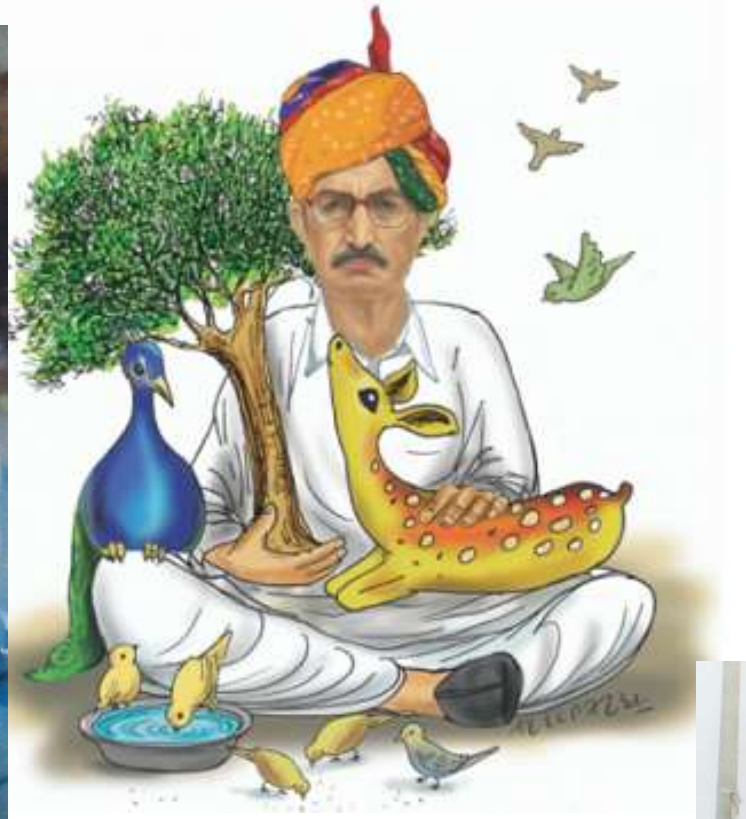

श्री भांभू को संत ईश्वर सेवा सम्मान

दिनांक 17-11-2019 को संत ईश्वर फाउंडेशन द्वारा नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू को उनके पर्यावरण संरक्षण एवं जीवरक्षा के अनुकरणीय सेवा कार्यों के लिए "संत ईश्वर सेवा सम्मान" से सम्मानित किया गया। श्री संस्थान परिवार इस सम्मान के लिए श्री भांभू को साधुवाद अर्पित करता है।

Maj Conrad D'Souza
Offg. Dy. MS to the President

राष्ट्रपति सचिवालय
राष्ट्रपति भवन
नई दिल्ली - 110004
President's Secretariat
Rashtrapati Bhavan
New Delhi - 110004

No.V-11019/01/2020-CER

27th December, 2019

Dear Sir,

Rashtrapati Bhavan is inviting individuals/organizations, which have done significant work for community or have contributed in certain field for interaction with Hon'ble President on 03rd January, 2020.

2. Considering your contribution towards improvement in farming techniques, forestry, or environmental improvement, you are invited to Rashtrapati Bhavan on 03rd January, 2020. Interaction with Hon'ble President will commence at 11:30 AM. During interaction you may like to apprise Hon'ble President about the work done and future activities planned by you. For structured interaction you are requested to kindly provide information in the enclosed format in not more than 200 words, to so.ca3@rb.nic.in by 30th December, 2019.

3. Interaction with Hon'ble President will be followed by High Tea at Rashtrapati Bhavan. On this occasion you are also invited for a tour of Rashtrapati Bhavan.

4. For any further query in this regard you may kindly contact Sh. Bharat Bhushan, Under Secretary(9968315223) and Sh. Zubair A Khan, Section Officer(9910104449).

Regards,

Yours sincerely,

Shri Himmata Ram Bhanbhu
Paryavaran Premi
Delhi Gate Ke Baahar, Khatri Pura
District Nagaur
Rajasthan – 341 001.

पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू को राष्ट्रपति महोदय से चर्चा हेतु आमंत्रण

राष्ट्रपति सचिवालय के पत्र दिनांक 27-12-2019 के जरिए पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू को महामहिम राष्ट्रपति महोदय के साथ चर्चा हेतु आमंत्रित किया गया है। श्री भांभू ने बताया कि दिनांक 03-01-2020 को प्रस्तावित बैठक में चर्चा के मुद्दों में सात 'ज' का समावेश किया गया है । **यह मुद्दे हैं जल, जंगल, जीव,जमीन, जलवायु, जनसंख्या वृद्धि एवं जैविक खेती।**

श्री संस्थान परिवार की और से श्री भांभू को महामहिम राष्ट्रपति महोदय से पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन से संबद्ध महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

गाय एवं 7-'ज' पर राष्ट्रपति से चर्चा करेंगे भाम्भू

पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भाम्भू को मिला राष्ट्रपति के साथ चर्चा करने का आमंत्रण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

नागौर. नागौर के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव प्रेमी हिम्मताराम भाम्भू 3 जनवरी को दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से 7-'ज' एवं गाय के संरक्षण को लेकर चर्चा करेंगे। भाम्भू को राष्ट्रपति भवन से बुलावा आने के बाद जिला प्रशासन ने भाम्भू व उनके साथ जाने वाले मदनलाल मिर्धा के आने-जाने के टिकट करवाकर राष्ट्रपति के साथ होने वाली चर्चा का संक्षिप्त नोट राष्ट्रपति भवन भिजवा दिया है।

पर्यावरण प्रेमी भाम्भू के अनुसार जिला प्रशासन द्वारा भेजे गए संक्षिप्त नोट में चर्चा के बिन्दु में सात-'ज' व गाय के संरक्षण को लेकर ब्यौरा भेजा गया है। भाम्भू ने बताया कि सात-'ज' में जल, जंगल, जीव, जमीन, जलवायु, जनसंख्या वृद्धि, जैविक खेती को शामिल किया है। इनके संरक्षण एवं संवर्धन पर राष्ट्रपति विस्तृत चर्चा करेंगे। इसके साथ ही वर्तमान में हो रही गाय की दुर्दशा को लेकर चर्चा करेंगे, जिसमें गाय पालन को मनरेगा से जोड़ने का सुझाव शामिल किया गया है।

राजस्थानी शब्दकोश होगा ऑनलाइन पोर्टल पर उपलब्ध

विगत साधारण सभा की बैठक में वित्तीय वर्ष 2019-20 की प्राथमिकताओं का निर्धारण किया गया था जिसमें राजस्थानी भाषा के शब्दकोश को मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम सेऑनलाइन उपलब्ध करवाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस संबंध में हुई प्रगति से श्री मनोज मिश्रण जी ने अवगत कराया और प्रस्तावित परियोजना कार्यकारिणी के समक्ष प्रस्तुत की गई । बाद चर्चा एवं विचार विमर्श सर्वसम्मति से प्रस्तावित परियोजना का अनुमोदन किया गया तथा इस परियोजना के क्रियान्वयन का प्रभार श्री मनोज मिश्रण को देने का निर्णय लिया गया।

राजस्थानी शब्दकोश ऑनलाइन प्रोजेक्ट की समयबद्ध योजना

कार्य विवरण	अवधि	लक्ष्य		2020										2021					
		आरम्भ	पूर्ण	Feb	Mar	Apr	May	Jun	Jul	Aug	Sep	Oct	Nov	Dec	Jan	Feb	Mar	Apr	May	Jun
प्रोजेक्ट की जागरूकता बढ़ाना एवं बजट अनुरूप फण्ड इकट्ठा करना (लगभग १५ लाख रुपये)	३ महीने	२९ जन	३० अप्रैल																	
शब्दकोश के सभी पेज स्कैन करके उनको फॉर्मेट एवं इंडेक्स करना	२ महिने	१ मई	३० जून																	
स्कैन किये हुए पेजों को OCR तकनीक से डिजिटाइज़ एवं इंडेक्स करना	१ महिना	१ जून	३० जून																	
ऑनलाइन डाटा एंट्री करने का तंत्र (Software) विकसित करना	४ महीने	१ मई	३० अग.																	
स्कैन एवं डिजिटाइज़ किये हुए पेजों को ऑनलाइन डाटा एंट्री तंत्र पर अपलोड करके डाटा एंट्री शुरू करना	१५ दिन	१ सित.	१५ सित.																	
पेज दर पेज शब्दों की डाटा एंट्री का कार्य - १० ऑपरेटर्स	८ महीने	१ सित.	३० अप्रैल																	
प्रूफ रीडिंग (डाटा एंट्री शुरू होने के २ महीने बाद से यह कार्य साथ साथ चलेगा)	८ महीने	१ नव.	३० जून																	
शब्दकोश की वेबसाइट विकसित करना	४ महीने	१ फर.	३० मई																	
शब्दकोश की मोबाइल एप विकसित करना	२ महीने	१ मई	३० जून																	

ऑनलाइन शब्दकोश लांच - १ जूलाई २०२१

गतिविधियां एवं कार्यक्रम

Fourth Quarter

चतुर्थ तिमाही

- श्री संस्थान परिवार के लिए प्रसन्नता का विषय है कि हमारे वरिष्ठ सदस्य पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू को महामहिम राष्ट्रपति महोदय से चर्चा का अवसर मिला है। राष्ट्रपति सचिवालय से प्राप्त आमंत्रण के अनुसार श्री भांभू ने दिनांक 03-01-2020 को महामहिम राष्ट्रपति महोदय से मुलाकात की। श्री भांभू ने मुलाकात के दौरान गोपालन पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु से संबद्ध मुद्दों पर चर्चा की । श्री भांभू ने बताया कि इस चर्चा में जल, जंगल, जीव, जमीन, जलवायु, जनसंख्या वृद्धि एवं जैविक खेती आदि बिंदु शामिल रहे । श्री भांभू ने राष्ट्रपति गोविंद को बताया कि कीटनाशकों एवं रासायनिक खादों के अधिकाधिक प्रयोग से जमीन अनउपजाऊ होने के साथ-साथ किसानों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।
- श्री भांभू ने उनके द्वारा नागौर जिले में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति कोविंद को बताया कि वे लगातार पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण, जलवायु परिवर्तन ,नशा उन्मूलन सहित विभिन्न सामाजिक सरोकार से जुड़े हुए विषयों पर वर्षों से आमजन को जागरूक कर रहे हैं।
- श्री भांभू ने गोपालन और पौधारोपण कार्यक्रम मनरेगा से जोड़ने का सुझाव दिया। इस दौरान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पर्यावरण प्रेमी श्री भांभू द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता मदनलाल मिर्धा भी पर्यावरण प्रेमी के साथ थे।

॥ श्री ॥

- राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के तत्वावधान में 9 से 13 जनवरी 2020 तक स्काउट गाइड राज्य प्रशिक्षण केंद्र जयपुर में राज्य स्तरीय पर्यावरण मेला "इको फेयर" का आयोजन किया गया । दिनांक 12-01-2020 को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित ,पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू ने उपस्थित राजस्थान भर के स्काउट्स ,गाइड्स एवं जन समुदाय को संबोधित किया। श्री भांभू ने जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से बालकों को अवगत किया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण का संदेश दिया।

- दिनांक 15-01-2020 को ई टी वी भारत के चेनल पर श्री हिम्मता राम भांभू के साक्षात्कार को प्रसारित किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि नागौर जिले में राज्य वृक्ष खेजड़ी के हरे भरे पेड़, लट कीड़े की वजह से सूख रहे हैं। इस की बड़ी वजह जैविक विविधता पर पड़ा प्रतिकूल प्रभाव है। उन्होंने जैविक विविधता को संरक्षित रखने का सुझाव दिया।

ETV Bharat
ETV Bharat
etvbharat.com

नागौर: राज्य वृक्ष खेजड़ी को खोखला बना रहा है कीड़ा, हरे-भरे पेड़ बन गए ठूंठ
https://etvbharat.com/hindi/rajasthan/state/nagore/state-tree-kejri-in-bad-condition/rj20200115201724927

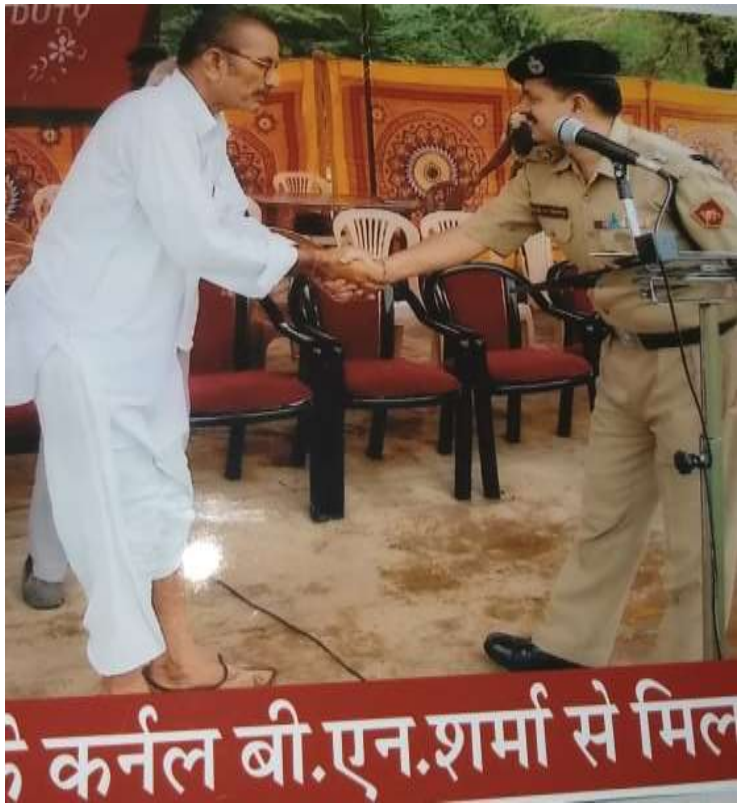

॥ श्री ॥

- दिनांक 21-01-2020 को पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साथ वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री भांभू ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि हम आपकी सुरक्षा में सुरक्षित हैं। श्री भांभू ने पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण कार्य की महत्ता बताई और कहा कि आप सीमा सुरक्षा बल के जवान देश की सीमाओं को संरक्षित रखते हैं और मैं पर्यावरण प्रेमी वृक्षारोपण के जरिए पर्यावरण को संरक्षित रखने का प्रयास कर रहा हूं।

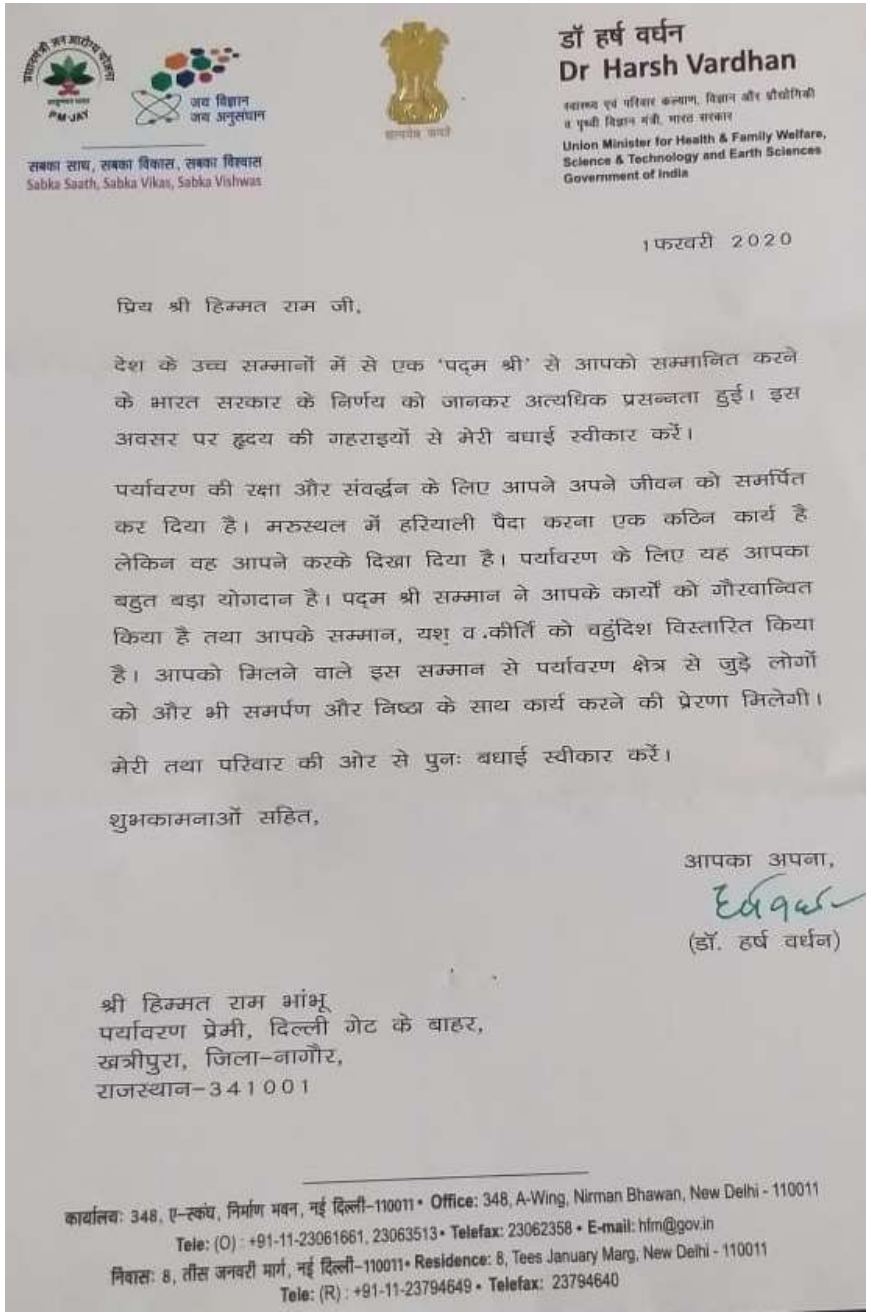

डॉ हर्ष वर्धन
Dr Harsh Vardhan
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी व पृथ्वी विज्ञान मंत्री, भारत सरकार
Union Minister for Health & Family Welfare, Science & Technology and Earth Sciences
Government of India

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास
Sabka Saath, Sabka Vikas, Sabka Vishwas

जय विज्ञान
जय अनुसंधान

1 फरवरी 2020

प्रिय श्री हिम्मत राम जी,

देश के उच्च सम्मानों में से एक 'पद्म श्री' से आपको सम्मानित करने के भारत सरकार के निर्णय को जानकर अत्यधिक प्रसन्नता हुई। इस अवसर पर हृदय की गहराइयों से मेरी बधाई स्वीकार करें।

पर्यावरण की रक्षा और संवर्द्धन के लिए आपने अपने जीवन को समर्पित कर दिया है। मरुस्थल में हरियाली पैदा करना एक कठिन कार्य है लेकिन वह आपने करके दिखा दिया है। पर्यावरण के लिए यह आपका बहुत बड़ा योगदान है। पद्म श्री सम्मान ने आपके कार्यों को गौरवान्वित किया है तथा आपके सम्मान, यश व कीर्ति को चहुंदिश विस्तारित किया है। आपको मिलने वाले इस सम्मान से पर्यावरण क्षेत्र से जुड़े लोगों को और भी समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी।

मेरी तथा परिवार की ओर से पुनः बधाई स्वीकार करें।

शुभकामनाओं सहित,

आपका अपना,

(डॉ. हर्ष वर्धन)

श्री हिम्मत राम भांभू
पर्यावरण प्रेमी, दिल्ली गेट के बाहर,
खत्रीपुरा, जिला-नागौर,
राजस्थान-341001

कार्यालय: 348, ए-स्कंध, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011 • Office: 348, A-Wing, Nirman Bhawan, New Delhi - 110011
Tele: (O) : +91-11-23061661, 23063513 • Telefax: 23062358 • E-mail: hfm@gov.in
निवास: 8, तीस जनवरी मार्ग, नई दिल्ली-110011 • Residence: 8, Tees January Marg, New Delhi - 110011
Tele: (R) : +91-11-23794649 • Telefax: 23794640

- दिनांक 25-01-2020 को पद्म पुरस्कारों की घोषणा की गई। राजस्थान राज्य से 5 हस्तियों को पद्मश्री पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। श्री संस्थान परिवार के लिए गौरव का विषय है कि हमारे वरिष्ठ सदस्य पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू को पद्मश्री पुरस्कार हेतु चयनित किया गया है। माननीय पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू को श्री संस्थान परिवार की और से बधाई एवं शुभकामनाएं।

उज्वा • हिम्मताराम का नाम ऐसे ही नहीं आया पद्मश्री की सूची में, आइए! उनके प्रकृति प्रेम से लें सीख

हिम्मत की हरियाली...14 हजार पेड़ लगाकर बंजर भूमि पर 20 साल में बना दिया ऑक्सीजन उद्यान

पर्यावरण का प्रेम ऐसा... 16 साल की उम्र में दादी ने लगवाया था पहला पौधा, उसे बच्चों की तरह पाला

hindi.news18.com/news/rajasthan/jaipur-himmataram-bhanbu-from-dadi-s-peepal-to-the-highest-honor-padmashri-rjsr-2804761.html

देश प्रदेश दुनिया मनोरंजन क्रिकेट नॉलेज मोबाइल-टेक मनी वीडियो हेल्थ & फिटनेस लाइफ

होम » राजस्थान NEWS

हिम्मताराम की हिम्मत को मिली दाद, 'पीपल' के पेड़ से 'पद्मश्री' तक का सफर

भांबू (पगड़ी में) को पद्मश्री दिए जाने की घोषणा पर खुशी जाहिर करते हुए भारतीय मौसम विभाग के पूर्व महानिदेशक डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़ कहते हैं यह एक सच्चे प्रकृति प्रेमी का सम्मान है.

राजस्थान के नागौर (Nagaur) जिले के सुखवासी गांव में ढोल बतासे बज रहे हैं. वजह है गणतंत्र दिवस (Republic Day) की पूर्व संध्या पर आई एक बड़ी खुशखबरी (Big news). इसी गांव में जन्मे हिम्मताराम भांबू (Himmatram Bhanbu) को 'पद्मश्री' सम्मान ('Padmashree'honor) दिए जाने की घोषणा की गई है.

NEWS18 RAJASTHAN
LAST UPDATED: JANUARY 26, 2020, 12:35 PM IST

SHARE THIS:

श्रीपाल शक्तावत

जयपुर. राजस्थान के नागौर (Nagaur) जिले के सुखवासी गांव में ढोल बतासे बज रहे हैं. वजह है गणतंत्र दिवस (Republic Day) की पूर्व संध्या पर आई एक बड़ी खुशखबरी (Big news). इसी गांव में जन्मे हिम्मताराम भांबू (Himmatram Bhanbu) को 'पद्मश्री' सम्मान ('Padmashree'honor) दिए जाने की घोषणा की गई है. नागौर-फलोदी मार्ग पर बसे इस गांव के लिए यह दूसरा मौका है जब दिल्ली (Delhi) से कोई बड़ी खबर आई है.

- दिनांक 25-01-2020 को श्री संस्थान अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ पूर्व महानिदेशक भारत मौसम विज्ञान विभाग को मौसम विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए एमिटी विश्व विद्यालय द्वारा मानद प्रोफेसर के सम्मान से नवाजा गया। एमिटी विश्वविद्यालय जयपुर में आयोजित दिक्षांत समारोह में महामहिम राज्यपाल महोदय कलराज मिश्र ने डॉ राठौड़ को अलंकृत किया।श्री संस्थान परिवार की और से शुभकामनाएं।

॥ श्री ॥

- कार्यकारिणी समिति की गत बैठक में श्री मनोज मिश्रण जी द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी शब्दकोश परियोजना को अनुमोदित किया गया था। दिनांक 29-01-2020 को श्री मनोज मिश्रण द्वारा बसंत पंचमी के पावन पर्व पर मां सरस्वती को नमन कर राजस्थानी शब्दकोश परियोजना का औपचारिक शुभारंभ किया गया।

- दिनांक 06-02-2020 को नागौर जिले के मांझवास गांव में पर्यावरण प्रेमी श्री हिम्मता राम भांभू की अगुवाई में विशाल धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में जिला कलेक्टर श्री दिनेश कुमार यादव मुख्य अतिथि ने ग्रामीणों को नशा उन्मूलन और पर्यावरण संरक्षण, वृक्षारोपण एवं पोलिथिन मुक्ति का आहवान किया ।

7/2/2020 नागौर जिला दैनिक भास्कर

आयोजन • मांझवास में पर्यावरण वन्य जीव संरक्षण, नशा मुक्ति व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ विषय पर वक्ताओं ने रखे विचार

फूलांबाई की बरसी पर हुआ धर्म सम्मेलन, नशा मुक्त रहते हुए सात्विक जीवन जीने का आह्वान

नागौर. फूलांबाई की बरसी के उपलक्ष में धर्म सम्मेलन के दौरान मौजूद लोग।

नागौर. फूलांबाई की बरसी के उपलक्ष में धर्म सम्मेलन में मौजूद अतिथि।

नागौर के मांझवास में धर्म सम्मेलन, ग्रामीणों को दिलाई नशा और पॉलीथिन मुक्ति की शपथ

Published on :06 Feb 2020 , 06:27 pm IST

नागौर जिले के मांझवास गांव में धर्म सम्मेलन हुआ. जिसमें ग्रामीणों को नशा और पॉलीथिन मुक्ति का संकल्प दिलाया गया. इसके साथ ही बेटा-बेटी में भेद को खत्म करने और बेटियों को पढ़ाने के लिए भी ग्रामीणों को जागरूक किया गया.

नागौर पत्रिका

आयोजन

बैराथल में नशा मुक्ति एवं पर्यावरण चेतना सम्मेलन

पद्मश्री भांभू का अभिनंदन किया

खींवसर. पद्मश्री हिम्मताराम भांभू ने बैराथल खुर्द के रामझोपड़ी में केशूराम छरंग की पुण्यतिथि पर आयोजित धर्म सम्मेलन में कहा कि विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के कारण विभिन्न प्रकार के वायरस रोग फैल रहे हैं। पर्यावरण का संतुलन बिगड़ने से ही भूकंप, अतिवृष्टि व अनावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाएं घटित हो रही है। पर्यावरण के संतुलन के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि धरती पर सभी जीवों को जीने का अधिकार है, मनुष्य को ऐसा कोई अधिकार नहीं है कि वे अपने स्वार्थ के लिए किसी मूकबधिर जीव की हत्या करें। भांभू ने कहा कि वह अपनी दादी की प्रेरणा से पिछले 45 वर्षों से पौधरोपण व वन्यजीवों की सेवा कर रहे हैं, इस कारण उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जंभेश्वर पर्यावरण एवं जीव रक्षा संस्था के प्रदेश अध्यक्ष रामरतन बिश्नोई ने कहा कि किसान अपने खेतों की सीमाओं पर छायादार पेड़ लगाएं तथा वन्यजीवों की रक्षा करें जिससे प्राकृतिक संतुलन बना रहेगा। भाजपा खींवसर के ब्लॉक अध्यक्ष अनोपाराम दूदी ने अधिकाधिक छायादार पेड़ लगाने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाजपा नेता भानुसिंह सियाग ने कहा कि सभी को खेजड़ली बलिदान के 363 शहीदों की घटना से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने पेड़ों का महत्व बताया। इस अवसर पर 25 युवाओं ने नशा छोड़ने का संकल्प लिया। पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भांभू को मिले पद्मश्री सम्मान के लिए ग्रामीणों द्वारा साफा व माला पहनाकर अभिनंदन किया गया। इस दौरान मुण्डवा प्रधान राजेन्द्र फिड़ोदा, पूर्व सरपंच धाकराम बेड़ा, छात्रसंघ उपाध्यक्ष रणजीत गौरीसिया, अध्यापक पूरणमल शर्मा, कर्नल करणाराम, उदाराम जाणी, जेठाराम गुर्जर, हेराराम भाम्भू, खेराज बागड़िया, मोटाराम भाम्भू, ओमाराम बैराथल सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। मंच का संचालन समदर सारण तथा किशनाराम सियाग ने किया।

खींवसर. ग्राम बैराथल खुर्द में पर्यावरण चेतना सम्मेलन में मौजूद ग्रामीण।

इन्होंने लिया नशा नहीं करने का संकल्प

कार्यक्रम में ताजूराम सियाग, रामसिंह बागड़िया, पप्पूराम डुगेर, रघुनाथराम पंवार, शिवराम बागड़िया, दुर्गाराम सियाग, मूलाराम छरंग, रामनिवास सियाग, किशनाराम सियाग, इंदाराम छरंग, पुरखाराम साहू, मेघसिंह गुर्जर, तुलसाराम छरंग, चोलाराम जाणी, हमीराराम, राणू सोनी, डूंगरराम छरंग, मूलाराम छरंग, अमराराम मांजू, निंबाराम, जितेन्द्र खोजा, पप्पूलाल सोनी, गोकुलराम खोजा, जेठाराम बेलदार व रामूराम सियाग ने भविष्य में नशा नहीं करने का संकल्प लिया। इस दौरान संकल्प लेने वाले लोगों का माला पहनाकर स्वागत किया गया।

- दिनांक 12-02-2020 को नागौर जिले के गांव बैराथल में पदमश्री हिम्मताराम भांभू का नागरिक अभिनंदन समारोह एवं नशा मुक्ति व पर्यावरण चेतना सम्मेलन का आयोजन किया गया । समारोह के मुख्य अतिथि पर्यावरण प्रेमी हिम्मताराम भाम्भू ने कहा कि विश्व में पर्यावरण प्रदूषण के कारण विभिन्न प्रकार के वायरस रोग फैलाने में सफल हो रहे हैं । पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के कारण ही कहीं भूकंप, अतिगर्मी, अति सर्दी, अतिवृष्टि, अनावृष्टि तूफान आदि के कारण प्रकृति का असंतुलन हो रहा है । जिस को संतुलित रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने होंगे और वन्यजीवों की सुरक्षा करनी होगी ।
- श्री भाम्भू ने कहा इस धरती पर सभी जीवों को जीने का हक है, मनुष्य को किसी का हक नहीं मारना चाहिए। उन्होंने प्रकृति की सेवा करने का संकल्प आज से 45 वर्ष पहले अपनी स्वर्गीय दादी श्रीमती की प्रेरणा से लिया था और उसी दिन एक पीपल का वृक्ष लगाकर वृक्षारोपण शुरू किया था जो अभियान 45 वर्षों से निरंतर चला आ रहा है और इसी अभियान के कारण ही उन्हें पद्मश्री के लिए चयनित किया गया है । पेड़ लगाने के अभियान में साढे पांच लाख पेड़ उन्होंने अपने प्रयासों से लगाए जिनमें से साढे तीन लाख पेड़ आज जीवित है। उन्होंने अपने एक निजी खेत में पेड़ों का जंगल लगाया है जिसमें ढाई हजार खेजड़ी के पौधे भी है उन्होंने उपचारित बीज के द्वारा खेजड़ी लगाने का तरीका भी बताया ।

दैनिक भास्कर 16 फरवरी 2020 — 16/2/2020

आयोजन • बीआर मिर्धा महाविद्यालय में कम्यूनिटी कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

सभी पेड़ लगाएं, नहीं तो अगली पीढ़ी को शुद्ध हवा तक नहीं मिलेगी- भांभू

भास्कर संवाददाता | नागौर

बीआर मिर्धा राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को कम्युनिटी कनेक्ट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थी और उनके अभिभावक सहित संकाय सदस्य ने कॉलेज और विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान पर खुलकर चर्चा की। मुख्य वक्ता पद्मश्री के लिए नामित हिम्मताराम भांभू ने विद्यालय में प्राप्त संस्कारों को व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण आधार बताया। उन्होंने कहा- तकनीक और मशीनीकरण के मौजूदा दौर में नवयुवकों द्वारा मोबाइल और मोटरसाइकिल के विवेकहीन उपयोग के नुकसान बताए। कहा- विद्यार्थी कैरियर निर्माण में पावर और स्पीड का सकारात्मक प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि वो अपनी दादी से मिली प्रेरणा से 1975 में पौधे लगाने का कार्य शुरू किया। जो अब एक अभियान बन चुका है। स्वयं के 36 बीघा के खेत में करीब 11 हजार पौधे लगा पेड़ बना दिए। 1672 लोगों की नशे की लत छुड़ा चुके हैं। वो बोले- कि सभी पौधे लगा पेड़ बनाएं, नहीं तो आपकी अगली पीढ़ी को सांस लेने धरती पर शुद्ध हवा नहीं मिलेगी। विद्यार्थियों ने स्वर्णिम भारत अभियान के तहत वर्ष में कम से कम 70 घंटे श्रमदान कर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प, परीक्षा तैयारी सेमीनार 20 को

नागौर. बीआर मिर्धा कॉलेज कम्यूनिटी कनेक्ट प्रोग्राम को संबोधित करते भांभू।

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. शंकरलाल जाखड़ ने युवाओं का सर्वांगीण विकास करना बताया तथा कौशल विकास कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय में 1 मई से आयोजित होने वाली इंग्लिश स्पोकन एण्ड कम्युनिकेशन कक्षाओं में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। डॉ. शिवपाल सिंह जाखड़ ने गुरुकुल व्यवस्था का उदाहरण देते हुए समाज और शिक्षण संस्थानों के सघन आत्मीय जुड़ाव की जरूरत बताई। कार्यक्रम संयोजक डॉ. पूर्णिमा कत्याल ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान लॉयन्स क्लब उपाध्यक्ष ईश्वर सोनी, महावीर इंटरनेशनल के जितेन्द्र कुमार जैन, आस्था सेवा संस्थान के अध्यक्ष सैयद अजीज अली, अब्दुल रशिद, धर्मपाल डोगीवाल, युवा विकास केन्द्र प्रभारी डॉ. हरसुख छरंग, कैप्टन (डॉ.) प्रेमसिंह कुमावत, डॉ. मनीष जोशी, डॉ. बी.एल. जैन, डॉ. हेमाराम, प्रो. सदानन्द शर्मा, प्रो. जे.एन. मून्दड़ा, प्रो. अशोक जांगिड़ सहित अनेक अभिभावक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

खींवसर कॉलेज में कम्यूनिटी कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित

खींवसर। खींवसर के राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को कम्युनिटी प्रोग्राम कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्राचार्य महेन्द्र लामरोड़ ने बताया कि कार्यक्रम में भाषण, आशुभाषण, वाद विवाद एवं देशभक्ति प्रतियोगिता आयोजित की गई। वहीं महाविद्यालय की नियमित कक्षाओं, प्रतियोगिता दक्षता कक्षाओं, मासिक परीक्षाओं एवं खेलकूद प्रतियोगिताओं की जानकारी दी एवं आगामी परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए प्रेरित किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम प्रभारी रामूराम बांता, सहायक आचार्य नीतिका ठोलिया, महावीर गोदारा, कृष्ण गोदारा ने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य ने बताया कि विद्यार्थियों द्वारा परीक्षाओं में अच्छे अंक लाने एवं तैयारी के संबंध में 20 फरवरी को कॉलेज में सेमीनार का आयोजन किया जाएगा।

खींवसर. खींवसर कॉलेज में कम्यूनिटी कार्यक्रम में मौजूद विद्यार्थी।

दिनांक 15-02-2019 को बी आर मिर्धा महाविद्यालय नागौर में आयोजित कम्यूनिटी कनेक्ट कार्यक्रम में मुख्य वक्ता श्री हिम्मता राम भांभू ने विद्यार्थियों , अभिभावकों एवं संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि "सभी पेड़ लगाएं नहीं तो अगली पीढ़ी को शुद्ध हवा तक नहीं मिलेगी"। श्री भांभू ने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया।

मायड भाषा राजस्थानी का शब्दकोष अब होगा ऑनलाइन

पत्रिका

एक्सक्लूसिव

इसका कोई व्यावसायिक उपयोग नहीं होगा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

जोधपुर. भारत वर्ष की सभी प्रादेशिक भाषाओं में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाली राजस्थानी भाषा के शब्द-कोष को डिजिटल धरातलों पर उपलब्ध करवाने की तैयारियां शुरू हो गई हैं। राजस्थानी शब्दकोष को ऑनलाइन प्रदर्शित करने की महत्वाकांक्षी परियोजना को मूर्त रूप देने के लिए मंगलवार को जोधपुर स्थापना दिवस पर पूर्व सांसद गजसिंह के संरक्षण में तथा डॉ. लक्ष्मण सिंह राठौड़ (पूर्व महानिदेशक, भारतीय मौसम विभाग) की अध्यक्षता में संयुक्त टीम गठित की गई है। महाराजा मानसिंह प्रकाश पुस्तक शोध केंद्र मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट, सोसाइटी फॉर रूरल इम्प्रूवमेंट (श्री-संस्थान) चारणस-ओआरजी तथा किताब-क्लब संस्थाओं की ओर से यह कार्य राजस्थानी भाषा के विद्वानों एवं साहित्यकारों के संरक्षण में संपन्न किया जाएगा। इसके लिए डॉ. आईदान सिंह भाटी की अध्यक्षता में एक भाषाविद समिति भी गठित की गई है। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के निदेशक करणी जसोल ने बताया कि यह प्रोजेक्ट पूर्ण रूप से राजस्थानी भाषा के शोधार्थियों, छात्रों, कवियों, साहित्यकारों, रचनाकारों एवं आम पाठकों के उपयोग के लिए है और इसका कोई व्यावसायिक उपयोग नहीं होगा। यह परियोजना राजस्थानी भाषा को संवैधानिक मान्यता दिलवाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

- दिनांक 21-02-2020 को मायड़ भाषा दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर श्री मनोज मिश्रण ने राजस्थानी शब्दिकोश परियोजना की प्रगति से अवगत कराया।
- राजस्थानी शब्दों का सबसे बड़ा संकलन डॉ.सीताराम जी लालस दवारा 'राजस्थानी सबद कोस' के नाम से 1962 में प्रकाशित हुआ थो। 7772 पृष्ठों के इस वृहत शब्दकोश में कुल लगभग दो लाख शब्द हैं। इनके अतिरिक्त अन्य कई शब्दकोशों को मिलाकर अनुमानित ढाई लाख शब्दों को डिजिटाइज़ करने का कार्य है जिसमे हर एक शब्द को उसके विन्यास (मूल शब्द, शब्द प्रकार – संज्ञा, सर्वनाम इत्यादि, शब्दार्थ, उत्पत्ति, पर्यायवाची, मुहावरे, कहावतें, रेफ़रेंस, शब्द प्रयोग आदि) में तोड़ कर अलग अलग डाटा एंट्री करने, इसकी ऑनलाइन वेबसाइट तथा मोबाइल एप बनाने का अनुमानतः कुल खर्च ₹15 लाख आयेगा।
- चर्चा एवं विचार विमर्श के पश्चात सर्व सम्मति से यह निर्णय लिया गया कि शब्दकोश परियोजना का क्रियान्वयन श्री संस्थान एवं किताब क्लब के संयुक्त तत्वावधान में किया जाए। आवश्यक धनराशि के लिए जन सहयोग की अपील जारी करने का निर्णय लिया गया । सहयोग राशि किताब क्लब के बैंक खाते में जमा की जाएगी और इस परियोजना से निमित्त व्यय किताब क्लब के बैंक खाते से किया जाएगा। शब्दकोश परियोजना से संबंधित आय एवं व्यय का लेखा एवं ऑडिट किताब क्लब के जिम्मे रहेगा।

3 - वित्तीय वर्ष 2019-20 में संस्था के आय-व्यय की पुष्टि पर विचार

तत्पश्चात अध्यक्ष ने अवगत कराया कि वार्षिक साधारण सभा की पिछली बैठक में निर्णय लिया गया था कि संस्थान के सीमित आय संसाधनों एवं सीमित बैंक शेष को दृष्टिगत रखते हुए पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु साक्षरता मिशन से संबद्ध संगोष्ठीयां , सम्मेलन, अवेयरनेस कार्यक्रम एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम स्थानीय सहयोग एवं वित्तीय सहभागिता के जरिए आयोजित किए जाएं । यह सूचित करते हुए प्रसन्नता है कि पिछले वित्तीय वर्ष में आयोजित समस्त कार्यक्रम स्थानीय सहयोग एवं भागीदारी से संपन्न हुए हैं। इस सहयोग हेतु श्री संस्थान परिवार सभी सदस्यों एवं सहभागियों का आभार व्यक्त करता है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में आय-व्यय

विवरण	आय (रुपयों में)	व्यय (रुपयों में)
जमा वार्षिक शुल्क	800.00	
जमा बचत खाता ब्याज	3880.00	
नामे बैंक चार्ज		64.90
ऑडिट फीस प्रावधान		10000.00
घटत राशि (हानि)	5384.90	
कुल आय / व्यय	**10064.90**	**10064.90**

4 - ऑडिट हेतु ऑडिटर फर्म की नियुक्ति पर विचार:

तत्पश्चात, संस्था अध्यक्ष ने अवगत कराया कि संस्था के वित्तीय वर्ष 2019-20 के लेखे तैयार हैं। संस्था का गत ऑडिट मै.आनन्द एन्ड एसोसिएट्स जयपुर ने किया है अतः इसी ऑडिटर फर्म से वित्तीय वर्ष 2019-20 का आडिट भी कराया जाना उचित होगा।अतः यह निर्णय लिया गया कि संस्था का वित्तीय वर्ष 2019-20 का ऑडिट भी मैसर्स आनन्द एन्ड एसोसिएट्स जयपुर से कराया जाए। उक्त ऑडिटर फर्म को ऑडिट फीस के निर्धारण एवं भुगतान हेतु संस्था के सचिव को अधिकृत किया गया।

5 - संस्था की कार्यकारिणी के निर्वाचन पर विचार :

तत्पश्चात संस्था अध्यक्ष ने अवगत कराया कि संस्था की कार्यकारिणी के निर्वाचन दिनांक 29-04-2018 को संपन्न हुए थे। तथा संस्था के पंजीकृत विधान, नियमावली के अनुसार कार्यकारिणी के निर्वाचन किए जाने हैं। अतः इस बैठक में कार्यकारिणी के चुनाव कराए जाएं।

अध्यक्ष ने सूचित किया कि कार्यकारिणी के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष एवं जनसंपर्क अधिकारी के 1-1 पद तथा कार्यकारिणी सदस्यों के 5 पदों हेतु कुल 11 पदों हेतु कुल 11 सदस्यों ने ही नामांकन प्रस्तुत किए हैं।

अतः बाद विचार विमर्श, सर्व-सम्मति से संस्था की कार्यकारिणी के निर्वाचन निर्विरोध सम्पन्न हुए।

नव निर्वाचित कार्यकारिणी

	नाम	पद
1.	डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ पुत्र श्री चैन सिंह राठौड़	अध्यक्ष
2.	पद्मश्री श्री हिम्मता राम भांभू	उपाध्यक्ष
3.	सुरेन्द्र सिंह लखावत पुत्र श्री मोती सिंह	सचिव
4.	सुश्री स्नेहा मिश्रण पुत्री श्री मनोज मिश्रण	संयुक्त सचिव
5.	सुश्री सौम्या राठौड़ पुत्री श्री लक्ष्मण सिंह राठौड़	कोषाध्यक्ष
6.	श्रीमती डॉ रश्मि राठौड़ पुत्री श्री लक्ष्मण सिंह राठौड़	जन संपर्क अधिकारी
7.	श्री प्रमोद सिंह खंगारोत पुत्र श्री सुरेन्द्र सिंह	सदस्य
8.	श्री अर्जुन दान रत्नू	सदस्य
9.	श्री सुरेश चारण पुत्र श्री भैरू सिंह	सदस्य
10.	श्री सुदर्शन सिंह लखावत पुत्र सुरेन्द्र सिंह	सदस्य
11.	श्री रणजीत सिंह राठौड़ पुत्र श्री राम सिंह	सदस्य

6- वित्तीय वर्ष 2020-21 की प्राथमिकताओं के निर्धारण पर विचार

निर्वाचित अध्यक्ष डॉ लक्ष्मण सिंह राठौड़ ने साधारण सभा में उपस्थित सभी सदस्यों को धन्यवाद ज्ञापित किया ।

तत्पश्चात आगामी वित्तीय वर्ष हेतु संस्थान की प्राथमिकताओं एवं प्रस्तावित कार्ययोजना पर सदस्यों के विचार आमंत्रित किए गए।

तत्पश्चात साधारण सभा की बैठक सधन्यवाद समाप्त की गई।

अध्यक्ष **सचिव**